>

Title: Regarding need to include Pawanagar in Uttar Pradesh under Swadesh Darshan scheme - Laid

श्री रमापति राम त्रिपाठी (देवरिया): जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी का निर्वाण पावानगर (फजील नगर) में हुआ था । वहीं पर महावीर स्वामी ने अपना अंतिम उपदेश दिया था । यह महावीर स्वामी से जुड़े होने के कारण अत्यंत ही महत्वपूर्ण स्थल है । देश ही नहीं दुनिया भर से जैन धर्मों के लोग यहां पर आते हैं लेकिन यहां की दुर्दशा देखकर निराश और दुखी होकर चले जाते हैं । महावीर स्थली हमारे देश के संत परमात्माओं में उच्च कोटी का स्थान रखती है । मैं सरकार से मांग करता हूं कि पावानगर को स्वदेश दर्शन योजना में शामिल करते हुए इसे भी अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाये ।